लोमड़ी और थ्रश

Illustrations by M. MEZHENINOV

चित्र: एम. मेजहेनिनॉव

लोमड़ी और थ्रश

रूसी लोककथा

MINI PROGRESS & MINI RADUGA

लोमड़ी एक गहरे गड्ढे में गिर गई. उस गड्ढे के बगल में एक पेड़ था. पेड़ पर एक थ्रश अपना घोंसला बना रहा था.

लोमड़ी गड्ढे में बैठी रही. वह थ्रश को देखती रही और देखती रही. अंत में उसने उससे कहा: "थ्रश, थ्रश, तुम क्या कर रहे हो?"

"मैं अपना घोंसला बना रहा हूँ."

"तुम घोंसले का क्या करोगे?"

"मैं घोंसले में अपने बच्चों को पालूँगा."

"थ्रश, मुझे खाना खिलाओ. और अगर तुमने मुझे खाना नहीं खिलाया, तो मैं तुम्हारे बच्चों को खा जाऊँगी."

थ्रश दुखी होने लगा, थ्रश सोचने लगा कि लोमड़ी को कैसे खिलाऊँ. फिर वह गाँव में गया और लोमड़ी के लिए एक मुर्गी लेकर आया. लोमड़ी ने मुर्गी खा ली और फिर से कहा:

"थ्रश, थ्रश, क्या तुमने मुझे खिलाया?"

"हाँ, मैंने तुम्हें खिलाया."

"अच्छा, अब तुम मुझे पानी पिलाओ!"

थ्रश दुखी होने लगा, थ्रश सोचने लगा कि लोमड़ी को कैसे पानी पिलाऊँ. फिर वह गाँव में उड़कर गया और लोमड़ी के लिए पानी लाया.

लोमड़ी ने पानी पिया और बोली:
"थ्रश, थ्रश, क्या तुमने मुझे खाना खिलाया?"
"हाँ, मैंने तुम्हें खाना खिलाया."
"क्या तुमने मुझे पानी पिलाया?"
"हाँ, मैंने तुम्हें पानी पिलाया."
"अब तुम मुझे इस गड्ढे से बाहर निकालो!"

थ्रश दुखी होने लगा, थ्रश सोचने लगा कि लोमड़ी को गड्ढे से कैसे निकाला जाए. इसलिए, उसने गड्ढे में शाखाएँ फेंकना शुरू कीं. उसने इतनी शाखाएँ फेंकी कि अंत में लोमड़ी शाखाओं पर चढ़कर गड्ढे से बाहर निकल आई. फिर लोमड़ी पेड़ के पास जाकर लेट गई, और अपने शरीर को सुस्ताने लगी.

"अच्छा," लोमड़ी ने कहा, "क्या तुमने मुझे खाना खिलाया, थ्रश?"

"हाँ, मैंने तुम्हें खाना खिलाया."

"क्या तुमने मुझे पानी पिलाया?"

"हाँ, मैंने तुम्हें पानी पिलाया."

"क्या तुमने मुझे गड्ढे से बाहर निकाला?"
"हाँ, मैंने तुम्हें गड्ढे से बाहर भी निकाला."
"अच्छा, अब तुम मुझे हँसाओ!"
थ्रश दुखी होने लगा, थ्रश सोचने लगा कि लोमड़ी को कैसे हँसाया जाए.
"ठीक है," थ्रश ने कहा, "मैं उड़कर जाऊँगा, और तुम, लोमड़ी, मेरे पीछे-पीछे भागना."

थ्रश गाँव में उड़कर गया और वहां गेट पर जाकर बैठ गया.
लोमड़ी पीछे-पीछे भागी और गेट के नीचे रेंगकर गई.
फिर थ्रश अपनी ज़ोरदार आवाज़ में चिल्लाने लगा:
"दादी, दादी, मुझे कुछ हलवा दो! दादी, दादी, मुझे कुछ हलवा दो!"
दादी के कुत्तों ने थ्रश की आवाज़ सुन ली. फिर वे तुरंत दौड़ते हुए आए और उन्होंने लोमड़ी को खदेड़ कर भगा दिया.

Illustrations by M. MEZHENINOV

Translation into English by Evgeny Spirin
Edited by Arvind Gupta
Layout by Evgeny Spirin

International project:
"Mini Progress and Mini Raduga".

MINI PROGRESS & MINI RADUGA